

"षेले स्ट्रेम प्रस टमर्रेग्डक्टर्रा है-इन्या साम्या प्रमाण क्रिया प्रमाण क्रिया प्रमाण ७६८। उसा असम स्वाचित्र व्याप्त विश्व

- भग्रष्ट ग्रीहोम (स्टेप<u>्रम्</u>ष १७७४ १५५४ हेन्स्य स्टेप्स्

दर्गर रणोर्ग भ्रत्याष्ट्रकात्र महात्त्रा<u>भ</u>्छ-

गुद्ध वर्षक सावित्र प्राचित्र गुर्व न्याय अध्याप्ट -ामद्धर, दृष्टसन्म ಹತ್ತೆ ಹಲ್ಲಾ ಕ್ಲಡ್ಟ್ त्रिष्ट्रम् प्राप्ट प्राप्ट ॥ ऋर क्रिके क्रिया राज्य स्थ्र #tatma **क्र** श्रमसद् गिनायद्या त्रियद्या त्रियात्र क्रियात्र मिस कि उद्यास है । प्रजाहमञ्जाद समञ्जाद ण्यार्रभार विश्वास्त्र विश्वास മ്പല്യാ ग्रदर्गर भाग्नि ग्रिभात्रभर ച്ചവവ मध्य त्रश्य व्यथम ॥ **॥ हरक्रम मह्मार्ट हो**टाम स्थाएर वर्ष असम्भाष्ट्र स्थ Et as see and \mathbb{Z}_{2} **अहायताम् अध्याभारमार्थे** प्राप्तम प्रथम असम्बन्धः १ भारतीयार्च रहाम पार ॥ प्यमणमाप्र भारत भारत प्रथम स्वाय र्षे त्रधारी ॐएऋक्ष ष्टं त्रेभ उप्पटा. ह्या हो हो हो हो है से स्वर्ध स्वाप्त सम्ब मेक जब धारी में मिर्गिक स्रुच्चा उस ीणा**ली** जिल्ला अभिष्ठे दर्श रमिष्ट्रं प्रश्रिष्टा प्राचित्रभ्य प्रिमार्थ ॥ "उपाग्रिज्ञन्द्र जिप्त भाम मह्रम्घ ह<u>म्ब्र</u>णई ल्रें भार्द्धाणु र्रम **द्रोणक्षणां**द्र u be d

अद्विष्ट्रिय ए५४ए॥ सरीयाभ

गुज्याच्यस मस्माक्त

स्थार हेण हुन

क्रमज्ञार्म मिश्राध्य

र्देळ॰ प्पार्ण प्रस्हम तमर्रा

मणार्गाएँ र्गाएँ

एणग्रेडिक अथल्ला अध्यान मध्या विषय है अन्य विषय मिर्म विषय के दुश्रक्षः॥ टमर्राणी, इलियाणी, एपलिस्प्रा प्राथा प्राथम स्थापन स्थापन स्थापन प्राथम स्थापन प्राथम स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन स मण रमणी भाषा विभर्त रहण टार्मे प्रस, प्रती, प्रज्ञम भाजभारत राजेर जन्मान्स !! ४भवर्ड अभर राज्यम ह्यामञ्जा भिर्देगस्य हित्यार्थास्ट गिष्ठरत्माभर्त्र गिष्ठश्रर्क्य मिभार प्रभार भराद विरास

अष्ट्रमाष्ट्र ४ऽदर् भाभाष्ट्र त्रधा समा त्या क्षेत्र अध्य अध्य

क्रिया माधा माधा प्रमाणक माधा प्रभाव माधा **अध्यात्र अध्यात्र भाष्ट्र भाष्ट्र भाष्ट्र**

- प्रभ एटिप्राप्तेभ

ह्रान्य ज्ञान क्षेत्र यंभिरक्ष क्राणाव्य माव्याव्य ॥ दश्मरञ्जू मारामध्य प्रत्याहरू प्रधार्य प्रमाध्य समाध्य दिचले अण्डिज क्रिक ? भौलमर्गेत **ग्रोऽ**पार्व्य पारुत्वपार्व्य द्रष्भराधिक ॥ १४ विषय ್ಲಿ ಇಗ್ರಿಕ್ ಶಡ್ಗೆ ಗಿಸುತ್ತು ತಪ್ಪುನಿಕ್ಕಾಗಿ ಕೂಡವು ಮ ें जीन प्रधान प्रभान <u>. जयं</u>ड्याम हड्ड प्रामम हड्ड ज<u>यं</u>त्राम भागमा हड्ड ००० हमा एडर एडर इसद्यान गर हाथार्थ ग्राप**्र** हाथर महेरह ज्ञास ह<u>म</u>होत्रभ⁶न टायद्ध र<u>भन्</u>यणम् ग्राम ॥ भेरूर हर्यग्रह भर्यार्ट प्रम दमत अभाव भारति हाम्य दमञद्भात्र वा भारता प्रदर्भ जारणाएँ मुद्र सर्रप्र सीहरं हर्ष्राण्य ४ भार अध्य द भी रे जि भी राज गा १०४२ द्यार भामक रिज्ञात

गोष्ट्रमर्राष्ठः लटेम ज्ञेमर

IMPHAL, SUNDAY, SEPTEMBER 25, 2016

ग्रेट स्टर्म क्षेप्र स्टर्म क्ष्या है स्टर्म क्ष्या किर्प्र स्टर्म क्ष्या स्टर्म ಡ್ಯು ಚಿಕ್ಕ ಬಾಂಬಾಲಿಕುಗು ಗುಹಹರು ಸರ್ಗಿ ಗಿನರಿನಿಯ केंक्रयर्गा। प्रेक्षास्त्रेन्ना ह॰ण (Fact) ए५४४°, हाण्या (Fiction) ए।। एकए उँक्रेण एसर उच्चेरिहक ॥ १५५५ में सहस्रोत्त , दर्भभदर्भ प्रमोभत्र किरभद ಶಲಗುತ ಗರ್ವಿಗಳು ಕುಗ್ಗಳು ಜನು ಗ್ಯಾಸಿ ಎಲು (Fiction) അം അം അം വിധാര എന്നു വിധാരം അം അം വിധാരം എന്നു വിധാരം എന്നു വിധാരം എന്നു വിധാരം പ്രവാദ് വിധാരം പ്രവാദ प्राचित्रके जमा ॥ शिष्ठभिवर्क (Craftsmanship) `හ්සෙන් කුතු ක්තුයේ ක්රම්ය වෙන්න් වනයේ නම් සම්වාධ णाठान्य प्रसुर्हामाम सरदर्श्ठ होता पा॰व् सिप्पर्धम हेडु भारत ।। ग्रह्म (ज्यापर का ज्यापर का ज्यापर का जिल्ला के कि ०८० वस्थ रखान्यात्र ॥ १००४ मा वस्थ हण्डा हिस्सी महिस्स । विभिन्न प्राचित । हरिष्य ॥ १ एवस भेर ५ म्य १ ፍ<u>ጆ</u>ዚል ጅ유ድ Œ⊯ሴ₉ ዘ

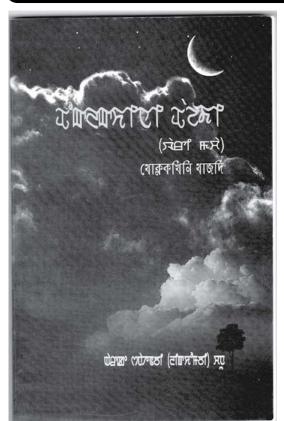
ಲ್ಲೂ ಬ್ಲಿ ಪ್ರಸ್ತು ಪ್ರಕ್ಷಣೆ ಭಾನಿಕು ಬ್ರಾಟ್ ಬ್ರಾಟ್ ಪ್ರಸ್ತಿ ಜ್ಯಾಸ್ಟ್ ಬ್ರಿಸ್ಟ್ ಬ್ರಾಟ್ ಬ್ರಾಟ್ ಬ್ರಿಸ್ಟ್ ಬ್ರಿಸ್ಟ್ ಬ್ರಿ प्र ग्राप्यक्षेत्र हर्वा एप्योधवर्त भिर्मामध्य रवर् <u>-छ</u>टाचर्छ चालम एरे चामम रिडार्जिट १ष्टा भर्म ।। १५ हर्न -ौok एँद फैद एमर्र हर भी भिन्न भाव रे प्रेप ॥ भिर् एप्रभ नटणटीर्रा प्रएके प्रसरी। सेए इकी लेका, प्रेक्ट प्रसन्नी रिट्रम्बा भार्मिक पर्वे एक द्वारम रिजी भर्मिक रि<u>भन्</u>यार्थिक १/४ पाभिवर्त जिल्म ॥ १५४ त पार्थम ट्राचित्र इस्त्री क्षण्या विश्व क्षण्या हिन्द्र हिन्द हिन्द हिन्द हिन्द्र हिन्द , दर्र हाँ मह्या राजायाचेद ॥ जिल्लायाचेद विषय पाहरू य सञ्जाएम विषय हिला स्याप्त वा अध्यक्ष स्याप्त स्वर्ध ेन्नभार हेर्नु स्वाप्त हत्या अर्था अर्था स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप सिंदि सुनिवास स्वाप्त ४७० छन्। जार और एक व्यवस्थि विकास विकास विकास त्याद्य भर्यास्य क्ष्म त्यास्य क्ष्म प्राचित्र हम् ॥

पाभिवर्ड गिर्माभिर्म भिर्म रिभरभ्रवर्म रिष्फ रमाधर्प प्रमाधद ,द्रेड ॥ अक्ष्य ३१ रमधिर हो हो भाषीया रमिन । भिन्न मण र्या विषय विषय भाषा ॥ भिन्नरेर एभन भुष्ठभादर्व सर्गणाम रमिभि भाभुद्रभग रामित्रा अभः, एमास्त्रे प्रसए प्रस्पेक्षत्र उभाग्रमीय गुनाबीकर हमा पार्स्म जिल्ला ॥ विपाल हमहिक्य मधीर उद्भा अनुरुष विभागानिक विद्याल विद्याल विद्याल विद्याल णिहरहमा रा पर्मे जिस्म-रंम रि<u>भ</u>्रोणापिक्र रे र्षण उद्धा अन्तर स्वीभार भागमा विष्य देन में उ श्रित्मी भारत माजार एक हिर्देश के हिर्देश के हिर्देश हैं है -अर्था । जिस्सार राज्य अन्य प्रस्ते विषय अन्य राज्य । **धर एहरदर्श रमर जलजगाल रहनाम रहारि रहारि** ७४७ मुस्य प्रकात स्वाय कार भारत होता है जिस्स चारा अ ण°र र्राष्ट्रण प्रदाण-णंभ्यण भामापाठार्र दर्भ रह्म रिटम उस्पा भारिज्य राज्य १ स्था ॥ भिर्म राज्य प्रताम ॥ १५५म कि जार कि जिल्हा है से प्रमुख्य होता है से अपने अ ग्रें ग्राथं के प्रमुखे के सम्बाद । "भिन्न हे रूप प्रभाषा विष्ठि विष् ॥ °५ ए. ५ हे हिन्दू है जिस ए. इ. हे जिस है है जिस है ज

णर्ट, मंसीसर रज्या भास वरं रण्ड रण्ड रण्ड - एक स्मार्थ स्वाप्त स्वापत स्वाप ใบช พาษอาแ Donald Maconochie ए त्रेक्रभाष "Keep the title in its proportion to the nature and interest of the story" ঠচসমূদ্দ ফেডা िए हैं जिस्स भिन्न सिवासिक प्रत्याभिक प्रत्याभिक कि -ब्रम्भण्य हराष्ट्र , द्रेय हर्भुक्ष हुहुम । द्राप्य मञ्जू _es मण भरमठ ४८३ हर्स्य ॥ प्यमीणपामम ४<u>१</u> रिर्ध विषयत्मम् रिम्मि ह्य ,विषयत्मम् हे ॥ घोठदम മിനു है । एर्स मध्म लुहुम । । उन्द्रणाध्य मण दर्भ्मय

रेणटणप्रियं रेटर्हा

(अम रिदम रिभिन्न रिभिन रिभिन्न रिभिन्न



मर्डे ह्यार्क एमण भी भागत रिट्रि भारहरैत्दर्प रमर जल्याषा भीम पारिवर्शाम्य ॥ भन्यत्र माभन्न रहरू ॥ विस्ता आप्रार्ट् ि एवा श्रीम प्यामण राजा मा भारत क्रम् वात्र आरुक्ष प्रवास देश हैं कर वा क्रम् वा कर महिला है कर कि कर के कि का कि का कि का कि का कि का कि का कि ह्यार्टे अंधर मार्सम 'डिस्ड्रीसरें स्वाम स्वाम्य प्राम ररभमण गरम गाँउ ॥ दण्य सद्भं एक ए पर्मे भारम पार्ट्स हापा हिस्स हर्ना हिस्स हर्ना हिस्स हिस हिस्स हिस हिस्स हिस हिस्स हिस हिस्स हिस हिस्स हिस हिस्स हिस हिस्स हिस हिस्स हिस हिस्स हिस हिस्स हिस हिस्स हिस हिस्स हिस्स हिस्स हिस्स हिस्स हिस्स हिस्स हिस्स हिस्स ॥ असम ४ दर्ज अरज ॥ रिजाय असमि ।।

निषठ भवा प्रत्य पामण रेमी भेर ४८३ पान्त ॥ ಇನ್ನ ನಿಶ್ವ ಗುನಿತ್ವತ್ತು ಸಾವಿ ನಿರ್ವಾಗಿ ನಿರ್ವಾಗಿ ನಿರ್ವಾಗಿ ನಿರ್ವಹಿಸಿ ನಿರವಹಿಸಿ ನಿರ್ವಹಿಸಿ ನಿರುತಿ ನಿರ್ವಹಿಸಿ ನಿರುತಿ ನಿರ್ವಹಿಸಿ ನಿಸಿ ನಿರ್ವಹಿಸಿ ನಿರಹಿಸಿ ನಿರ್ವಹಿಸಿ ನಿರಿಸಿ ನಿರ್ವಹಿಸಿ ನಿಸಿ ನಿರ್ವಹಿಸಿ भेजमण रिस्टी, <u>मटिश्य १६७म</u> । लेक्टा मार्चि । रूप्रतान्त प्रात्म प्रतिन प्रतिन भ्रम भ्रम भ्रम रूप्रकृष र॰-प्राटम मोक्रह, लॅक्श्वाह्न क्रेप्स्राह्मह टेप्पएह क्रम् ता स्टेंड हुन स्टिन्ट क्रिन्ट स्टेंड हैं। स्टिन्ट स्टिन्ट स्टिन्ट स्टिन्ट स्टिन्ट स्टिन्ट स्टिन्ट स्टिन् एक प्रात्मक त्रिक कर्य ॥ इ.स. १८५५ में अथन्त - रहे जन्म होडोनर विकास महिन्न विकास महिन ញ្ញស័យ្យ ,ខេ<u>មស</u>េបាខែ សអាយ^{ខ្}ប សខាជ ៕អា ,ខ<u>មជ</u>ិ บजमर हर्म हिन्म प्रिमे हिल्म प्रमुखीर्भ - वायु रन्यर्र प्रमुश्रमार्ट हैं एवं प्रमुश्रम क्षित्र प्रमुश्रम होने हिंच यात सामान्य भन्न धारामान्य प्रथम स्थाप अध्यक्त र्याणा वर्षा होस्ट्रें हिंग्या होस्ट्रें हिंग होस्ट्रें रद्धम स्थार ॥ १५ मधम मा मा मा मा मा भारम ण्डीभारत ॥ चित्रांत ह<u>म</u>्बर्ग हरिष्य ॥ <u>भार</u>ण्डां त्रोन्दर ट केंद्र एपाटापाट करेंद्र प्राप्त है। उन्हें स्वाह स्वाह प्राप्त प्राप्त है। र पार्जम, पार राभर्षा १६ विस् विषया भरपार्थ ។ នៃ មានដែរ ១៧៩៩១ មាន មាន ខាន់ មាន ខាន - ब्या सिंह के कि स्थान कि कि स्थान कि -हीलागु हरण्य हण्डा कि पामहीपाहीलागु ॥होत्रीहण ॥ हो बर्सा स्वर्धा स्वर्धे स्वर्धात सर्वाचित्र एस हिन ॥ विसार ४ अन्य स्था ४ अन्य भारत प्राप्त प्राप्त

ः जभागताम्ब्रिटा ग्रेटम् ||振振f|||| ः जेलाम्जे ₩ Σ ः प्रोभः प्राः ल्लेन्हरा हेशाष्ट्र मर्लि ३ ६०९२ ः इस्ट्रेम्ट ATE, MIS

myok महिषा दर्गम्य गम्म भाग प्रहोलक र्समीक्रि हर्द्र उठहान स्थापि स्थाप स होगार ग्रांग होलद्यं ज्या विशालक । विष्यं हिर्दे गामाण प्रिवर्स ग्रीर जर्जण रिष्ठी भग्ने वर्ष के जिल्ला विकास उमार प्राप्त तम्भी य ब्रम्भिक प्रधाम व वाम प्र गिर्म रमण भ<u>िष्</u>रं रिभिटर्ष प्रभंति एमप्र महत्व ॥ जैष्ण -द<u>श्</u>रेष्ट आराण उपार्ट है एक अर्थ के निष्ट निष्ट के निष त्रवर्ध्मर निवास । त्राहरक कित्रभृष्ट हत्त्व सक अप रम ॥ हे रहीर रहम ॥ जिल्लाम सबस्य प्रभार एँग्रेस स्वाम भारमप्रम हुस्म ॥ सीलर्ममीधर्म डिच्न ॰ रहभ्य ट॰प्राम आमट॰क। दॅरिएए हए म्रामाण्या उत्राह्म บอาหรั ธรน์ แปปสายธานใน महम รน์ สธาสาแล าแจ प्र ॥ विद्या निवर्ष विभागा कि स्वर्थ महिष्य ୍ଜା ଠିୟନ୍ଥ ଲେଇଲେ ଅସ୍ଥର୍ଥ ନେ,

र्ध्य विशेष अधिक विशेष अधिक वर्ष विश्वमा अधिक वर्ष

प्रभाम ए प्रश्नेत हुए हुए हुए हुए हुन -व्यर्ष सक्र वार्णिट ह्यार्णिस्टर विश्वास्त्र मार्गिट स्वाप्त ംഎമെറ്റ് ഗോവിന്നാ വെങ്ങ് പ്രാപ്പാ വുന്ന പ്രാപ്പാ रिभ्रोणण रहिषा ॥ विभन्न सरदर्व दर्श रिरुभदर्व चन्या । १<u>०मय</u>ऽत्र याज्यात स्थान हरा<u>भव</u>्य सञ्जा र पा॰र में भणी तारिहरीं हिर्म हिर्म प्राप्त में णाम ।। दार्चा ५ अथ्य निषय स्थान स्थान स्थान होने हा अभार र्ठा भारतीय ४८ जय विभव्यति एक अभाव ३ होगाण जहर विज्ञानस्वर्ण प्रस्का विन्त्र विद्धा प्रथा हुहुया , र्वेच ॥ हर्र ॥ व्याप्त भारत प्राप्त , र्वा स्थाप ण्यमण्य पाठमठारी जस्र्रमीणाणु स्थ⁶त्र सहस्रपाठत ॥ डिन्स ७० विस्तर्भाष्य विस्तर्भ । विष्तर्भ विभाष्य विष्य एवर्ड रिक्टा त्या कि का का कि कि निर्मा निर्मा कि कि प्राप्त कि कि प्राप्त कि कि प्राप्त कि कि प्राप्त कि कि प หลุม แงหุ่งกราม เพารส ผมพลาน การหมาแก้ ॥ १७४ हजा मठ हुन एवं एव एव एव । -द⁶5 ॥ लोलप्रमोधर्प रेंच ॥ दर्ष क्रिक्शिड॰ मोध रहम हर्द्धका हिमार्क रमित्र हिमार ह्यालम । विशालक हर्ष विश्वास अस्त्रा अभिन्य कि अभिन्य कि हिन्द्रमा स्थाप स्थाप विश्व में भारत स्थाप विश्व महिन्द्र स्था स्थाप विश्व स्थाप स्थाप विश्व स्थाप विश्व स्थाप स्याप स्थाप स्य टमप्रस्ता दुर्जात स्थाप्य आधि छहत। क्रिया क्रिया न्नाहरू का जातम ह्यानाहरू ह<u>म</u>्हान का जात प्रकास हम्

र हीटा हुन । उहुणा । उहुणा निर्मा विष्ठे टिक्र)ಹೆಜ.ಎ. ಕಟ್ಟುವರ್ನ ಹುಗ್ಗಾರಿಗುದ್ದರು ಗಿ.ಆ,ಜಿತ್ಯೂ, णिलंब हरण्य हण्डल हात्र अंदर्श जिल्हा जिल्हा जार्थे कर्ण ण्य प्यत्र सर्वात जीलात्रपाचा प्रतिस्तर हिष्य म[ू]ल भ[ु]ट अंश , भार हुने हुने महा अध्यात महा अध्या हुने हुने स्वाधित स्वाधित स्वाधित स्वाधित स्वाधित स्वाधित स्वाधित स्व निष्टिक । निर्मुख हिम्मीर जीतिक भीति अस्तार्क भारति । णिज हे हे हे हो से सर है अर्थ स्थापित खारम र्जाभ राज्य हाम एक स्थाप होता है स्थाप होता है सि रज्ञाए स्वाप्त । तस्त्रं रुद्धाता स्वाप्त हिर्म विरोठ -1មិន្ត្រ ಲಾಹ್ಡ್ ಬ್ ಬತ್ತು ಹರ್ಗಾಗಿ ಪ್ರಾವಾತ್ಯ ನಿರ್ಧ ॥ छिभद[्]क रिसम्भ प्रत्यापार्यात दिस्र रिप्प

टेंक्स प्राची समित प्राचीर, 'उंपटिप रिकार हिंदी हैंदर्जा'

तागाति किय क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र हिन् प्रसामा अगटमर व्याप्त क्रिया है ण्ड-४९ <u>एर्ऋ</u>पेटेइस्ए ४७५ मा

-दुंभारा दृष्टा महाम लएं रेंब्रेण स्टाम्स लएं रेंब्रेण **स**र्वमा ॥ रूठेदर्ध टें प्राम कियाम भामद

टमटीण स्ट्रिक्ट

ग्रहास मध्या विभाग แชौर्यग्रेज्ञल ग्रह्मार्थ्स ज्ञन्स แ สรา เมโนสง สโรคโดสง์เมียกโนส คงุริเทโน स्रिक्ष - दिए जा जी मेर है जाई है रिश्वा व्यक्त मध्मद्र णडाण १४ हम भागार्थ है । ग्रदर्भ भिर्मात पाठापण्य मदर्ग्य ॥ रहेषाम ग्रदर्भ - ब्य पार्निय प्रयक्ति पार्निय प्रमुच रत्णभम गिणारिक्षा भिर्भाण रद्धिण मद विषय्न मार्थे स्था विषय है हिन्स विषय कि स्था विषय रज्याभन मन्भय एस रहार ज्यार्चमंत्र विभिन्न उममभूत का के स्मान के स्मान के स्मान के स्मान हररभेम की भाग हो चेड हैं प्रमासिक प्रमासिद द्वा अर प्रमण्ड प्रमण्ड प्रमण्ड विष्ठा विष्ठ ॥ ह्याम भामित एदर्क भिष्रा

ग्रथ प्राणमगत्रात्य

- लेइ अन्तर्भात मह्म स्थित

ച_ንዊ **ሥ**Ջዙ **瓜**, ጆዜጤኗ。 म्हाराज्य विषयित्र क्रिक्ट ॥ उपीए४ ठवर्त रिक्षाधिर मध्यापिर हरी , प्रहेस द्रिक्ष सिक्षम प्राप्त प्राप्त मिर्म माण्य, लेळाड र्धा रत्म रखी व रिज्याचिष्ठभ्रत्वारि ग्रापार्की स्रोरण्डत्यं एं रिस्रह्मा रिज्याभर्स्र -2र्य ज्यञ्चल ४२०० ४४ जिल्ला ਜ਼ਿਨ੍ਹੇ ਨਹੇ ਨੂੰ ਨਿੰਦ ਸ਼ਹਿਰ ਸੰਦੇ ਜ਼ਹਿਰ ਸੰਦੇ । **प्रीराज्यसारमास्र १५५७**च असर् क्रिम रेजर रक्षेत्रमुद्ध प्रीलब्द्रिट जिमर्रोम जबर्ष Шराध्यम प्रांच्यार प्रभारभय न्द्रमध्य पार्यक्षा रमण

सटे गाँउ ससिर छेगाउ

एप्रिज्ञान्त्र क्रिज्यत्वापान टमट॰न ऋण्यभण्यता गाँले होमए इ॰एइ, , अंडे भारेत, रेजार्ध अध्य राज्या स्थान लेखएक पाराणि इस्ति होपार्मा, स्वापनि हैएस, लेखएसपारल ऋगा स्रोपार्रे ॥ मिट्रमेट मिल्र<u>मिस</u> क्रिक्टाम स्यम व्यस्य याष्ट्रे, दुर गार र्देश्वार प्राहम सहस अध्य प्रोप्टेमरस ग्रा प्रदर्भ प्रशासकार प्रभातम् स्थापन असार हो<u>जह</u>्य इस्त्र वाह्य विकास स्वाप्त है шनटणटर्ण प्राप्तर अ<u>भर</u>्मे हेन्स हम्मान हम्मान अन्य कार्या । प्रेड्रक गेथ सर्वेन्नन, समानाण सर्वेट्र ए॰एएक॰इए। समाए स्टेइन മായ്ക്കു ,പ്രതാക വഴാക്കുന്ന प्राटिक प्राचीत विश्व में प्राची विभिन्न विश्व प्राचीत विश्व प्राचीत विश्व प्राचीत विश्व विष्य विश्व विष्य विष्य विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व व णाठिष्ठल हेन्द्र स्वर्ध भारति एप्पञ्चालि ऋस्धि एम्प्रेटिक, गेन्स ॥ ब्राणीहरू जिल्ला है जिल्ला किया किया किया प्रदाण्टा टाउँगि सम्मिष्टम, गेंध टेंक<u>म्</u>याण्ट ोएसरीत रोम प्रमुखारि भीमम मणएश्रे मर्स राज्याचा रूप हम्बार्याचा अ मर्छम राज्याचार्या हास्त्र स्थान

ዡ_•2ልሁኒጤ E_•ኅ

-प्राटण स्थार स्था स्थार स्यार स्थार स्थार

र्गाण सदापाठापाठापा मर्रम होन्द्रक क्रिक्र प्रसीय रहे वि ए॰ हम्भदाष मर्रम ४ह्रोत्रज्ञत ब्रह्मा , ह्या , आयार्थ , ह्या , ह्या , ह्या , क्रिडिमास एगर रिमर्ट होएदर्स रुष्ठ ष्णेन <u>श्र</u>मित्र ४६६ १८५ मून ॥ एः या <u>भिष</u>्यः सार्क्षे भर्षे भर्षे भर्षे व्य प्राप्तेष्ठ देंभेणशिए एक प्रमिन्न

प्रचटम्र प्रेंट गेभ्जक

अंगारा प्रमानमा जा ६५० जाता मार्गा प्रजाहर

क्रआधार मार्गा कार्य के जाहित के जाती हैं

प्राचित्र प्राचित्र हो अप कि स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त अप ॥ ५०३ मामिस्ट में भिर्म क्रिया महत्त्व क्षिण्या अध्यय अध्यय हाम हिमारी प्रचरित्र क्रिभन्न एदर्ग मुद्रप्र हरुवर्र् उथिए अत्याप अध्य अभ्या प्राया अव्याप ॥ ५३ मा <u>फर</u>ुम क्रिक्र भ्वेत्दर्भ क्रिडिन स्वर्ग १५५५ होन्स अध्या स्वर्गात ज्ञार ज्ञार के किन्द्र क्रिक्स क्रम्ब के दर्द प्राप्त प्रत्या मजात्य प्रमुद्ध प्रभावात्य प्रथम क्रिडिन्स रिजारिक्य विभावन रिवर् ौरोक्स एद[्]ण ४७स्**रा**एण पा॰४ ४र्णद-मंद प्रमुख हाटीम ल्वेनाणी प्रचटीयाँ रिवास याज्य राज्य ह्या इत्यां क्ष्या मध्यत्य माध्य भ्राप्त भ . इ.च गानिबर में प्रियं कि अनुष्ट प्र ॥ ए.त मा <u>मिष</u>्यःम १८क्रू . स्ट्रेट्ट (क

"ಶಾ ನಜ್ಞಿಗೆ ತಾ ನಜ್ಞೆಗೆ"

-४८० ४५ ४५५-४५

ਟੇਘਾਟ॰-ਟੇਘਾਟ॰ ਟਜਲੇਹੇਆਂ ਨੇੜਲੀ, क्रमञ्ज रॅंक्ट गॉंले एडि, टमल प्रस्ट॰ ही म्हण्ड, लिंडा-लेएँ ऋएड-ऋएडा ॥ भारस्रहे रस्थाना पात्रामा भाराष्ट्र ਾ ਨੇਸ਼ੂਲੇ, ਨਾ ਨੇਸ਼ਲੇ॥ නීහල ක්ඛප්රාක්රාක ෆ්ලේඛන ෆ්රුණ්, मणहल सहायाज्य स्वाधित भारत स्वाधित भारत ,ह्रीएक राज्यार्क किंदिर के जिल्हा एडि-सह्हर, ज्र्लेहर ए५४ए, ॥ हिल्ला वर्षेत्र विश्वेष रिवास ಾ - ನಿಜ್ಞರೆ, ನ್ ನಿಜ್ಞರೆ॥ एसिन्नेण प्रश्निक प्रश्निम प्रश्निम . लेबी-लेए⁸, एमो-एमारी, लेबरीणी ऋस्त्रब्र लेएँए मोक्र, लेएँगर्भ प्रस्त्र लेबिए गरेड, , विद्याधि मंभित्र राजात चित्र इं लेहा-लेएँ ाण इसहेचटे खाण जेक्कार, ॥ ७५ मा १० इर भिश्रम हो भाष र्ने क्षेत्रलं, र्ने क्षेत्रलं॥

-**மிற்**தே ஆறிக்கு ச

ಗುಶ್ಯವಿಗಾಳಿಕೆಗುತ್ತ ಜೈರುಗ್ಗೆ ಜೀರುಗ್ಗೆ ಬಗ್ಗಳು प्रिस्ता होशीमार्मा हद्धा १ कर्ष्य १ वर्षेत्र विश्वास विश्वास रमणंध्य रहण ॥ १५५० मंद्र राज्य माद्र राज्य हो भारत राज्य प्रमणं गिनस्स्य होमापार्गम निरुक्तमार्द्भ गदर्ग्यण प्रात्म गरम ॥ दर्भ บभीम ोहमण <u>गिष्ठणाल्य</u>ण ग्रादर्भत भावर्ग्यण हर्वन्त्रम ଅଛ ଅଭ୍ୟରଣ ଅଞ୍ଚ

ीलदर्यम अष्ठामाभ्यत् भदर्य ज्ञा भ्रम भ्रम भ्रम भ्रम र्राभिट पारिल बिरदर्व शिरमर भिराय दर्शभर हर्ष्णीम ॥ गिरुपाण हर्षात्रीय गर्वे विणायित्रक ಗಿಯಾ ४म४ ಅವರ್ತ-шಗಿಎನ್ ಗಿಹಲವರ್ನ್ "ರಿವ-ನ್ಷಷ" अओप्रहस्रहर्या ॥

रिभिट्ट होएग महमा दर्श्य पारिष्ट्र जिमार दर्श प्पर्भष्टा-पार्गद राज्य पार्शासद-भ्रंद भादर्श्व दर्श्व प्र द्रश्य ज्या । ज्या । ज्या क्ष्य क्ष्य व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त ാന രാന വാന് വെന്നു പ്രത്യായ വാന് വെയുന്ന വെയുന്ന (अभ्याधिक अध्याधिक अध्याधिक अध्याधिक स्थाप होता है। अध्याधिक स्थापिक स्थापिक स्थापिक स्थापिक स्थापिक स्थापिक स "ग्रम॰5" ग्रह्यंक दिकाण प्राह्म प्राप्ति प्राह्म विभारम रहेर जब्दरा राजम ॥ राजस्वे रहेरावर्षस्य निवस्त निवस्त ॥ दर्ष

गुरुषार्थ प्र<u>क्</u>राया ता का एक एक प्राप्तिष्ट प्रक्रिट् उमण्ड सर्व पार्र पाधिवर्ड, तिथिनाव स्राधम अपेड पारिष् द्याम राम्य द्यार , रदर्थ एप एप राप्त राम्य राम् जान्य दूसका दुधा हत्यक संभि भागा समयाता जा रिप्रहें भार्ता पाधिदर्ज स्वाधिपाम भादर्य ॥ ऋउद्स्विष्ठ ग्णाया हिन्दू एवर्च विषय स्वयास्त स्वयास्त विस्तर प्राप्त कर्म करा त्रेमए सथक्त भारता है जात है जिस्सा अक्षा अस्त कि साम कार्य कि सा -<u>भिग</u>र गिष्ठहणाञ्चर ग्रद्ध तर्र लष्ठ<u>भर</u>मर जाभीमा वि भज्ञभज्ञभाष्य प्राप्ति है विभाग स्वाप्ति भारत ॥ थर्डे ४ ५० में अभी मार पानिदर्श हो हो हो है । द्धरण गण्यत्रप्रभर्थ जय्यान्यत्य प्रप्रभावत्य प्रभावत्य े भूग प्रत्य स्था । भिष्य क्षा कि भी हिंदी पारि है प्रेर रोजः पास्त्रा ओज्ञलखएर रोजः॥ सम्मा प्रेर सर् ॥ १५४ स्वर्षे स्वर्षे स्वर्षे स्वर्षे स्वर्षे स्वर्षे स्वर्षे अस्व ॥ १४४५ ४ हमार्थ स्वाह्य राज्य हरू चौभवर्

ह्यालम विषय सम्बद्ध स्वर्ध स्वायाय विवर्त वर्ष वर्ष श्यमा विस्था कि का प्राप्त कि कि जिल्ला कि जि ในบานาล แโบธลาเมส บานมา ธา<u>ษห</u>ัน แโบธลส^เนาชั रें ह्य ह्य सा उपाय पाहुम में अध्या अधिक र्रं अधिक रें व्यञ्जन क्ष्या भरत्य मध्य स्थ्य

и °भग्रदांस रमर्रम राज्य एक मर्रम व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप राटामाटभयन्य ॥ हे अर्थाभ्य भाष्य हे अराज्या । ॥ १ छह जामा एक दर्ज मिथि हो थिए एक प्राप्त विभाश में एक प्राप्त विभाश में एक प्राप्त विभाश में प्राप्त उज्राह्म मह रिक्रम हिन्स महा विक्रम विक्रम महा विक्रम म गोष्टरहाणील व्यक्तराधी।

रह्म । १९८५ रस्स रस्क रद्धाण क्रिभेश्वाण ौंडिट रहें स्ट्रीट स्ट्री स्ट्रीट स्ट्री स् ह्या ॥ विक्रिक मा सम्बद्ध मा स्वर्थ महिल्ला हिस्स जहका । जिस्सा एडीब्रह्मर रूपांपाद भिर्वा भारति भारति । ह्रष्ट्रभुष्ट पान्य जिम विभेद रुवाणाव वर्ष्य पर्ता मजमर ोहमण दणधर्र रूपरं, दणधर्णम मरम हद्धर ग्रह्म प्रहार सहमार पाधितर्ड ग्रीलम ॥ अर्थन्त्रे मर्भ

र्हर्भ मिर्रम् आत्माभें रूपाणा ज्ञा निष्या कर्य एड्रिस इष्ट्रिम वार्याता भाषान्त्र कर्य ॥ दर्र र्रात अर्ड, जाधवर्ड स्रात-द पाठमा भण्णभरखद ए. १५ मध्य ॥ १८ मध्य ॥ १८ मध्य मध्य ४० मध्य १५ मध्य १५ मध्य १५ मध्य ॥ रहेर मर्रम स्प्रान-द जिल्ला राष्ट्रिय स्ट्रिम ए<u>भर</u>भ

प्रजाम रिका एक ज्ञानिक किया एक एक प्रजास है जिल्ला है जि ॥ एषा पर्याप्य विश्वाप्य किषा <u>भर्य</u> हे स्वाप्य कार्य -रिरोणसमा किर्डिस ग्रज्य ग्रह्म क्रिंग रहिमल ग्रह्म ग्रह्म स्राटम मस्रम् दर्श्यम गर्या गणापाटामा मर्गार परिष्य ट्रिया विषय मिर्वास मार्थर मध्य होस । द्रिय प्रदर्भ एक दर्घ हरू हा स्मात्म जादि अध्या भार महिम ॥ ਹਿਲਲਾਪਿੰਦ ਹਕ•ਦਨ

हर्षणीम दर्श्यण रिष्ठाणाञ्चर्त एक सहद्वरभक्ष - अंद भार्क १४६ अर्थ १५५ । एए प्रत्न १४५ । रज्ञ गाही एक क्षण्य भर क्षण हो हो है है है र हैन जस्तर्ण किरधानिक्र जान्य ॥ गिरुस्तामार्क्र ॥ ॰ स्टबर्ह्साष्ट्रा १० १० ॥ ୬

ग्रमण पारक ग्रहामिष्ठज्ञरु विषयम भिर दर्वरा ीगरक मञ्ज रिपेर्ड एर<u>क्य</u>र्ट राज्ञक राज्य गांतर[्]रा ीणद॰रम पाह्रक रोष्ठग्रद॰५ गोणागु हुहूक पोणद॰कोम हर्द्य उद्ध्य निष्ण हाम । प्रत्य हर्द्य हर्द्य ॥ भाषायान्त्र भवर्त् भिर्मत रस्यार्थमा पार्क् भावर्त्रम